लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 2/11/19 पृष्ठ सं 3 कॉलम 1-3

कृषि विश्वविद्यालय में लगाए शिविर में 363 युवाओं ने किया रक्तदान

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई व यूथ रेडक्रॉस के सहयोग से लगा कैंप

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में शुक्रवार को रक्तदान शिविर लगाया गया। छात्र कल्याण निदेशालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई व यूथ रेडक्रॉस के सहयोग से आयोजित शिविर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि रहे। शिविर में 363 ने रक्तदान किया।

प्रो. सिंह ने रक्तदान को महादान बताते हुए पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि रक्त का कोई विकल्प न होने के कारण इसकी आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। रक्तदान करके हम बेशकीमती जानें बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है इसलिए रक्तदान का कोई नुकसान नहीं होता। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रक्तदान से होने वाले लाभों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। शिविर में 363 यूनिट से भी अधिक रक्त एकत्रित किया गया। विश्वविद्यालय के एनएसएस व एनसीसी के छात्रों ने भी सेवाएं दीं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. भगत सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य इकाई के अधिकारी डॉ. कपेन्द्र सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक कमल कुमार, सचिव रेडक्रॉस सोसायटी रविन्द्र लोहान, विवि के यूथ रेडक्रॉस इंचार्ज डॉ. चंद्रशेखर डागर का सहयोग रहा।

एचएयू में प्रो. के.पी. सिंह रक्तदान शिविर का निरीक्षण करते हुए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 1/4/2019 पृष्ठ सं 3 कॉलम 6.8

एचएयू : विद्यार्थियों से अधिकारियों तक पहुंचे रक्तदान करने, 363 यूनिट एकत्रित

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई व यूथ रेडक्रॉस के सहयोग से आयोजित किए गए इस शिविर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे।

शिविर में 363 यूनिट से भी अधिक रक्त एकत्रित किया गया। विश्वविद्यालय के एनएसएस व एनसीसी के छात्रों ने भी अपनी सेवाएं दीं। रक्त एकत्र करने के लिए मिशन जन जागृति ब्लड बैंक दिल्ली, ब्लड बैंक एमएएमसी अग्रोहा, लाइफ लाइन ब्लड बैंक पलवल और विश्वविद्यालय कैंपस अस्पताल की टीमें पहुंची थीं। शिविर में विश्वविद्यालय के ओएसडी, रजिस्ट्रार, सभी डीन, डायरेक्टर, अधिकारी, वैज्ञानिक, गैर शिक्षक कर्मचारी व विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

21 दिन में पूरी हो जाती है आरबीसी

प्रो. सिंह ने रक्तदान को महादान बताते हुए सभी से इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि रक्त का कोई विकल्प न होने के कारण इसकी आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। उन्होंने कहा कि हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है, इसलिए रक्तदान का कोई नुकसान नहीं होता। उन्होंने रक्तदान के लिए छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति को अत्यंत गौरव की बात कहते हुए हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने रक्तदान को एक सुरक्षित एवं स्वस्थ प्रक्रिया बताते हुए कहा कि जितना रक्त दिया जाता है उसकी आरबीसी 21 दिन में पूरी हो जाती है और व्यक्ति हर तीन माह के बाद पुनः भी रक्तदान कर सकता है।

एक यूनिट रक्तदान से खपत होती है 650 कैलोरी : छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने रक्तदान से होने वाले लाभों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्तदान करने में 650 कैलोरी की खपत हो जाती है, जो मोटापा कम करने में भी सहायक है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में दान ही सर्वोच्च धर्म है तथा सभी दानों में रक्तदान महादान माना गया है। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. भगत सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य इकाई के अधिकारी डॉ. कपेंद्र सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक कमल कुमार, सचिव रेडक्रॉस सोसाइटी रविंद्र लोहान, विश्वविद्यालय के यूथ रेडक्रॉस इंचार्ज डॉ. चंद्रशेखर डागर मौजूद थे। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक अभिषेक, अमित गोयल, जिंकल मदान, शरद, अक्षय महता व मनोज सैनी ने रक्तदान शिविर को आयोजित करने में अहम भूमिका निभाई।

शिविर के दौरान रक्तदानियों का उत्साह बढ़ाते कुलपति प्रोफैसर केपी सिंह व अन्य।

- राष्ट्रीय सेवा योजना और यूथ रेडक्रॉस के सहयोग से आयोजित किया गया रक्तदान शिविर

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम हरी भूमि
दिनांक 1/11/2019 पृष्ठ सं 13 कॉलम 2-6

हकृवि में रक्तदान शिविर का आयोजन

'एक यूनिट रक्तदान में 650 कैलोरी की खपत'

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में आज रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय के

- हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगतार चलती रहती है इसलिए रक्तदान का कोई नुकसान नहीं होता: प्रो. सिंह

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई व यूथ रैडक्रॉस के सहयोग से आयोजित शिविर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे।

प्रो. सिंह ने कहा कि रक्त का कोई विकल्प न होने के कारण इसकी आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। रक्तदान करके हम बेशकीमती जानों को बचा सकते हैं। उन्होंने रक्तदान के प्रति लोगों की भ्रांतियों को दूर करते हुए विद्यार्थियों में इसके प्रति सकारात्मक सोच की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगतार चलती रहती है इसलिए रक्तदान का कोई नुकसान नहीं होता। उन्होंने रक्तदान के लिए छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति को अत्यंत गौरव की बात कहते हुए हर्ष व्यक्त किया।

उन्होंने रक्तदान को एक सुरक्षित एवं स्वस्थ प्रक्रिया बताते हुए कहा कि जितना रक्त दिया जाता है उसकी आरबीसी 21 दिन में पूरी हो जाती है तथा व्यक्ति हर तीन माह के बाद पुनः भी रक्तदान कर सकता

हिसार। रक्तदान शिविर का निरीक्षण करते प्रो. केपी सिंह ।

है। रक्तदान से कैंसर जैसी भयावह बीमारियों के होने की संभावना में कमी आती है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने कहा एक यूनिट रक्तदान करने में 650 कैलोरी की खपत हो जाती है जो मोटापा कम करने में भी सहायक है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में दान ही सर्वोगा धर्म है तथा सभी दानों में रक्तदान महादान माना गया है। उन्होंने रक्तदान एकत्र करने के लिए मिशन जन जागृति ब्लड बैंक, दिगी, ब्लड बैंक एमएएमसी, अग्रोहा, लाइफ लाइन ब्लड बैंक, पलवल तथा विश्वविद्यालय कैम्पस अस्पताल के चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया।

शिविर में 363 यूनिट से भी अधिक रक्त एकत्रित किया गया। विवि एनएसएस व एनसीसी के छात्रों ने भी अपनी सेवाएं दी। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. भगत सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य इकाई के अधिकारी डॉ. कपेन्द्र सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक कमल कुमार, सचिव रेडक्रॉस सोसाइटी रविन्द्र लोहान, विवि यूथ रेडक्रॉस इंचार्ज डॉ. चंद्रशेखर डागर उपस्थित थे। शिविर में विवि के ओएसडी, रजिस्ट्रार, सभी डीन, डायरेक्टर, अधिकारी, वैज्ञानिक, गैरशिक्षक कर्मचारी व विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक अभिषेक, अमित गोयल, जिंकल मदान, शरद, अक्षय महता व मनोज सैनी ने रक्तदान शिविर को आयोजित करने में भूमिका निभाई।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 1/11/2019 पृष्ठ सं 2 कॉलम 1-2

हकृवि में लगाया रक्तदान शिविर

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह रक्तदान शिविर का निरीक्षण करते हुए।

हिसार, 31 अक्तूबर (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई व यूथ रैडक्रॉस के सहयोग से आयोजित किए गए इस शिविर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्यातिथि थे। प्रो. सिंह ने रक्तदान को महादान बताते हुए सभी से इस पुनीत कार्य में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि रक्त का कोई विकल्प न होने के कारण इसकी आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। रक्तदान करके हम बेशकीमती जानों को बचा सकते हैं। उन्होंने रक्तदान के प्रति लोगों की भ्रांतियों को दूर करते हुए विद्यार्थियों में इसके प्रति सकारात्मक सोच की प्रेरणा दी। हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है इसलिए रक्तदान का कोई नुक्सान नहीं होता। छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रक्तदान से होने वाले लाभ से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। एक यूनिट रक्तदान करने में 650 कैलोरी की खपत हो जाती है जो मोटापा कम करने में भी सहायक है। शिविर में 363 यूनिट से भी अधिक रक्त एकत्रित किया गया। विश्वविद्यालय के एन.एस.एस. व एन.सी.सी. के छात्रों ने भी अपनी सेवाएं दीं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य इकाई के अधिकारी डा. कपेंद्र सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक कमल कुमार, सचिव रैडक्रॉस सोसायटी रविंद्र लोहान, विश्वविद्यालय के यूथ रैडक्रॉस इंचार्ज डा. चंद्रशेखर डागर उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 1/11/2019 पृष्ठ सं 2 कॉलम 3,5

एचएयू में पटेल जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई

हिसार | एचएयू में गुरुवार को भारत रत्न लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 144वीं जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर एचएयू में अनेक कार्यक्रम आयोजित किएं गए जिनमें विवि के शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम सिटी पल्स
दिनांक 31/10/2019 पृष्ठ सं 3 कॉलम 1-2

हकृवि में मनाई गई लौह पुरूष की 144वीं जयंती

हिसार। रजिस्ट्रार रन फॉर यूनिटी को झण्डी दिखाते हुए।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 144वी जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रमों का आगाज प्रात रन फॉर यूनिटी-एकता दौड़ से हुआ जिसका रजिस्ट्रार डा. बीआर कंबोज ने झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया। इस मौके पर रजिस्ट्रार ने सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए विश्वविद्यालय समुदाय से राष्ट्र की एकता व अखंडता को बनाए रखने में अपना पूर्ण योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा विभिन्नता में एकता हमारी पहचान है तथा यह इस देश के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। सरदार पटेल ने देश की आजादी के बाद देश को एकता के सूत्र में पिरोने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने 550 से अधिक छोटी-छोटी रियासतों में बटे इस देश को बिना रक्त बहे एक करके सगठित भारत की रचना की। हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 1/11/2019 पृष्ठ सं 15 कॉलम 7-8

किसानों को तकनीकी क्रांति की तरफ ले जा रहा हकृवि

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा के पंजाब से अलग होने से पहले ही 1960 के दशक में देश के लोगों को अन्न के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ रहा था, तब हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपने योगदान से ऐसी किस्में तैयार की जो देश की खाद्यान्न की जरूरतों को पूरा करने में सफल रहीं। इसके बाद 1970 में एचएयू ने पूरी गति से काम करना शुरू किया। हरित और श्वेत क्रांति में सीमित संसाधनों के बावजूद बड़ा रोल अदा करते के बाद अब एचएयू वर्तमान में किसानों को तकनीकी से जोड़ने और उनके उत्पादन को पैकेजिंग व मार्केटिंग के जरिए बाजार तक लाने में मदद कर रहा है।

प्रदेश के पहले कृषि विवि की यह हैं उपलब्धियां

- आईसीएआर द्वारा वर्ष 1996 में बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड
- 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद संस्थान अवार्ड
- 2017 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार
- 2018 में हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार
- 2018 में कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड।

इसके लिए हाल ही में इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई है। हरियाणा के निर्माण के एचएयू के योगदान का अहम रोल है। सिर्फ विश्वविद्यालय का फोकस अन्न उत्पादन ही नहीं बल्कि क्वालिटी और न्यूट्रिशन युक्त फूड लोगों तक पहुंचाने का काम कर रहा है। एचएयू को अब तक एचएयू राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड, आईसीएआर रैंकिंग वर्ष 2018 के लिए कृषि विश्वविद्यालयों में दूसरा स्थान प्राप्त कर चुका है।

520 कंपनियों से अनुबंद तो 282 किस्मों से बढ़ा उत्पादन: एचएयू के कुलपति प्रो केपी सिंह ने बताया कि व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विवि यूरोप, अमेरिका और एशिया के दो दर्जन से अधिक प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ अनुबंध किए हैं। यहां विकसित की गई तकनीकों के व्यावसायिकरण के लिए करीब 520 सरकारी और गैरसरकारी कंपनियों व संस्थानों के साथ समझौते किये गये हैं। एचएयू ने विभिन्न फसलों, फलों और सब्जियों की लगभग 282 किस्मों व संकरों की पहचान व विमोचन किया है। इनमें से कुछ किस्में अन्य राज्यों और यहां तक कि विदेशों में भी लोकप्रिय हुई हैं इन किस्मों के परिणामस्वरूप चावल, कपास, गेहूं, दलहन, तिलहन व बाजरा उत्पादन में कई गुणा वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकों के कारण वर्तमान में राष्ट्रीय खाद्य भण्डार में योगदान करने वाले राज्यों में हरियाणा का दूसरा स्थान है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 1/11/2019 पृष्ठ सं 15 कॉलम 3-5

निर्णय एचएयू में 6 नवंबर से होने वाली अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में 15 एक्सपर्ट देंगे जानकारी

कृषि के वर्तमान व भविष्य पर होगा मंथन

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 26 वर्ष बाद बड़े स्तर पर अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस आयोजित करने जा रहा है। 6 से 8 नवंबर तक आयोजित होने वाली इस कांफ्रेंस की तैयारियां पिछले तीन महीनों से विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही थीं, अब इसका शेड्यूल से लेकर अन्य कार्यक्रम तय कर दिए गए हैं।

इस कार्यक्रम को आयोजित कराने के लिए 11 विदेशी शिक्षण संस्थान एचएयू के पार्टनर बने हैं तो आइसीएआर, नाबार्ड, भारत मौसम विज्ञान विभाग सहित अन्य राष्ट्रीय स्तर के संस्थान भी इस कांफ्रेंस में सहभागिता दर्ज कराएंगे। कांफ्रेंस का विषय कृषि तकनीकों के भविष्य और वर्तमान स्थितियां रहेंगी। एक्सपर्ट को अपने रिसर्च पेपर जमा करने के लिए एचएयू ने गुरुवार तक का समय दिया गया था। इन विषयों पर बोलने के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी प्रमुख विशेषज्ञों का चुनाव हुआ है। जिसमें कनाडा, इजराइल, यूएसए, आस्ट्रेलिया, पोलेंड, थाईलैंड, ब्राजील सहित अन्य देशों के 15 एक्सपर्ट अपने रिसर्च के लंबे अनुभवों की जानकारी विषय पर साझा करेंगे।

ये हैं 15 एक्सपर्ट जो साझा करेंगे नवीन जानकारियां

- डा. सी. सवेंटन, कनाडा
- डा. रुबिन बरूच, इजराइल
- डा. बाऊशान जिंग, यूएसए
- डा. ओपी धनखड़, यूएसए
- डा. जेसन वाइट, यूएसए
- डा. फिलिप्स ब्राउन, ऑस्ट्रेलिया
- डा. विजय सिंह, यूएसए
- डा. डी मिज, इजराइल
- डा. कारमेन एन बाईसी, यूएसए
- डा. कामिला एफ पिन्हो, ब्राजील
- डा. चान्या, थाईलैंड
- डा. डो सून, साउथ कोरिया
- डा. एडवर्ड, पोलैंड
- डा. आरएस परोदा, भारत
- डा. एच बरिआना, आस्ट्रेलिया

कांफ्रेंस में ये रहेंगे विषय

- नॉवल ट्रेंडस इन एग्रीकल्चर एंड एप्लाइड बायोसाइंसेज
- एप्लीकेशन इन बेसिक एंड नेचुरल साइंसेज इन न्यू मिलेनिया एग्रीकल्चर
- फ्यूचरइस्टीक एप्रोचिज इन एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड मकेनाइजेशन
- कॉम्युनिटी साइंस : न्यू चेलेंजेज एंड ओर्पोचुनिटीज

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 2/11/2019 पृष्ठ सं 18 कॉलम 1-5

एचएयू ने विकसित की कम पानी में उगने वाले गेहूं की किस्म

वैभव शर्मा • हिसार

गेहूं और धान दो फसलें ऐसी हैं, जिनमें पानी की अत्याधिक आवश्यकता होती है। वहीं दूसरी तरफ लगातार घटता जल स्तर चिंता का विषय बना हुआ है। इन सब स्थितियों को देख चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विज्ञानियों ने गेहूं की ऐसी किस्म तैयार की है, जो सिर्फ दो बार पानी देने पर ही अच्छी पैदावार देगी। अक्सर गेहूं की फसल में चार से पांच बार किसान खेतों में पानी देते हैं। एचएयू के गेहूं व जौ अनुभाग के विज्ञानियों ने गेहूं की नई किस्म डब्ल्यूएच 1142 विकसित की है।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस किस्म को बनाया ही ऐसा गया है कि कम पानी और खाद की आवश्यकता हो। इसे पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, पश्चिमी यूपी, जम्मू कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड उपयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय की कोशिश है कि ऐसी किस्में तैयार की जाएं जिनमें कम से कम पानी लगे। धान पर भी हम ऐसा ही प्रयोग कर रहे हैं।

भूमि से पोषक तत्व खींचने की क्षमता : इस किस्म की विशेषता यह है कि इसे लगाने के बाद यह जमीन से पोषक तत्वों को स्वतः ही खींचती है।

इसमें 105 दिन में कलियां खिल आती हैं, इसके साथ 154 दिन में पककर तैयार भी हो जाती है। पकने पर बालियों का रंग सफेद ही रहता है। इस किस्म को बोने के लिए 40 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज, अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर का पहला सप्ताह में बिजाई की जाती है।

गेहूं की नई किस्म डब्ल्यूएच 1142।

किस्म की विशेषताएं

- यह एक मध्यम बौनी किस्म है इसकी औसत ऊंचाई 102 सेंटीमीटर होती है।
- इसके पौधे सघन व अधिक फुटाव वाले होते हैं।
- इसकी फसल गिरती नहीं है। यह सूखा भी अधिक से अधिक झेलने की शक्ति रखती है।
- इसकी बालियां मध्यम लंबी व सफेद रंग की होती हैं।
- इसमें 12.1 फीसद प्रोटीन, 3.80 पीपीएम बीटा कैरोटीन, 36.4 आयरन, 33.7 पीपीएम जिंक मौजूद है।
- इस किस्म में भूरा व पीला रतुआ अन्य किस्मों की अपेक्षा कम होता है।

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 2/11/2017 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-8

54 साल का हरियाणा

तरक्की की गौरव गाथा में जुड़ा है शिक्षण संस्थानों का नाम

खेतीबाड़ी, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, हरियाली और पशुपालन को लेकर देश के विकास में अहम भूमिका निभा रहे एचएयू, जीजेयू और लुवास

शहर की यूनिवर्सिटीज ने केवल स्टूडेंट्स ही नहीं जिले के किसानों और बेरोजगारों को दिए न्यू बिजनेस स्किल्स

1 नवंबर, 1966 के दिन हरियाणा ने अलग राज्य की स्थापना के साथ ही विकास की राह पकड़ ली। इसमें शिक्षा के स्तर ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। हिसार में यूनिवर्सिटी, कॉलेज और स्कूलों की संख्या ने राज्य में हिसार को एजूकेशन हब का नाम दिया। और खास बात है कि यह हब सिर्फ स्टूडेंट्स ही नहीं बल्कि पूरे समाज को लाभांवित करता

एचएयू : किसानों को समर्पित विवि ने स्थापित किए नवीन कृषि प्रौद्योगिक के कई आयाम

एचएयू किसानों को समर्पित है। यह नवीन कृषि प्रौद्योगिकी विकास के द्वारा किसानों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। इसमें वीसी प्रो. केपी सिंह ने कहा कि फिलहाल हम वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुणा करने के लक्ष्य को लेकर और कृषि की वर्तमान समस्याओं के निवारण के लिए प्रयत्नशील हैं। जिनके लिए हर रोज न्यू प्रोजेक्ट लाए जा रहे हैं। इस विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों, फलों और सब्जियों की लगभग 282 किस्मों व संकरों की पहचान व विमोचन किया है। इनमें से कुछ किस्में अन्य राज्यों और यहां तक कि विदेशों में भी लोकप्रिय हुई हैं। इन किस्मों के परिणामस्वरूप चावल, कपास, गेहूं, दलहन, तिलहन व बाजरा उत्पादन में कई गुणा वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकों के कारण वर्तमान में राष्ट्रीय खाद्य भण्डार में योगदान करने वाले राज्यों में हरियाणा का दूसरा स्थान है।

एचएयू का एग्रीकल्चर इंक्यूबेशन सेंटर।

- **इनोवेशन सेंटर की स्थापना** : यूनिवर्सिटी ने फसल अवशेष प्रबंधन के लिए इनोवेशन सेंटर की स्थापना की। जिसका उद्देश्य पराली प्रबंधन जैसे विषयों को गंभीरता से लेकर नए तरीके सुलभ करना रहा।
- **एग्री वेस्ट बायो गैस प्लांट** : इस प्रोजेक्ट के तहत एचएयू में जो भी फसल अवशेष है, खराब सब्जियां है, उनका एग्री वेस्ट बायो गैस प्लांट के जरिए सीएनजी गैस बनाई जाएगी।

- **एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर** : इस सेंटर के माध्यम से किसानों को अपने फार्मिंग में बिजनेस करने के तरीके सिखाए जा रहे हैं। इसमें युवा और किसानों को कृषि उद्यमिता की ओर बढ़ाया जाता है, ताकि खेती कर अपने उत्पाद में बाजार में सीधा बेच सकें और अपना व्यवसाय शुरू कर सकें। इसके साथ ही आधुनिक स्वदेशी बीज बैंक और आरकेवीवाई इनक्यूबेटर को भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा जा रहा है, जो नये स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक और राष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं।
- **ग्रामीण बेरोजगार युवाओं के लिए शुरू किए कौशल विकास पाठ्यक्रम** : इन्सपायरिंग एग्रोपेन्योर की टैगलाइन के तहत बेरोजगार ग्रामीण युवाओं, किसानों और उद्यमियों के लिए भारत के कृषि कौशल परिषद के सहयोग से पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू किए हैं।

मिल चुके ये अवॉर्ड

- आईसीएआर रैंकिंग वर्ष 2018 के लिए कृषि विश्वविद्यालयों में द्वितीय स्थान।
- 1996 में बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवॉर्ड।
- 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद संस्थान अवॉर्ड।
- 2017 पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार।
- 2018 हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार।

यूरोप, अमेरिका और एशिया की कई का अनुबंध

एचएयू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि यह विश्वविद्यालय शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा को अपनी अनिवार्य गतिविधियों में उच्च मानकों को दिन-प्रतिदिन बढ़ा रहा है। व्यावसायिक गतिविधियों के संदर्भ में यूरोप, अमेरिका और एशिया के दो दर्जन से अधिक प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ अनुबंध हैं। यहां विकसित की गई तकनीकों के व्यावसायीकरण के लिए करीब 520 सरकारी और गैरसरकारी कंपनियों व संस्थानों के साथ समझौते किए गए हैं।